

रानी दमयंती जिला पुरातत्व संग्रहालय (दमोह)
में संग्रहीत शैव, गणेश, कार्तिकेय एवं शाक्त प्रतिमाएं :
एक विवेचनात्मक अध्ययन

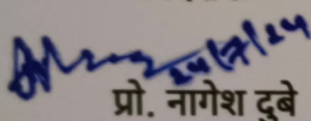


डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग
के एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर, प्रश्नपत्र (AIH-SEC-421) के अंतर्गत प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध



निर्देशक



प्रो. नागेश दुबे

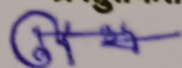
(विभागाध्यक्ष)

प्राचीन भारतीय इतिहास,

संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग,

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय

प्रस्तुतकर्ता



लवकेश कुमार विश्वकर्मा

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

सत्र- 2023-2024

पंजीयन संख्या

Y22221005

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

केंद्रीय विश्वविद्यालय

2023-24

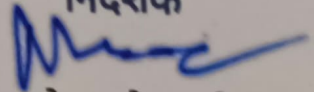
प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि लवकेश कुमार विश्वकर्मा , एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर 2023-24 , अनुक्रमांक Y22221005 ने 'रानी दमयंती जिला पुरातत्व संग्रहालय (दमोह) की शैव, गणेश, कार्तिकेय एवं शाक्त प्रतिमाएं: एक विवेचनात्मक अध्ययन' शीर्षक पर प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की एम.ए. उपाधि की आंशिक प्रतिपूर्ति हेतु निर्देशक प्रो. नागेश दुबे (विभागाध्यक्ष) के संज्ञान एवं निर्देशन में पूर्ण किया है।

प्रस्तुत लघु शोध प्रबन्ध इनका मौलिक कार्य है। इन्होंने यह कार्य बहुत ही लगन एवं परिश्रम के साथ पूर्ण किया है और इसके पूर्व यह शोध प्रबन्ध अन्यत्र कहीं प्रस्तुत नहीं किया है।

मैं, इस शोध कार्य को डॉ. हरीसिंह गौर की एम० ए० परीक्षा की आंशिक पूर्ति हेतु संप्रेषित करने के लिए अनुमोदन करता हूं।

निर्देशक



प्रो. नागेश दुबे

(विभागाध्यक्ष)

प्राचीन भारतीय इतिहास,
संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग
डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय,
सागर, मध्यप्रदेश, 470003